

P&G AND THE EFFECTS OF SEMANTIC CAPITAL

When the Questions Reach Home



FERDINANDO FREGA

P&G और सिमेंटिक पूँजी के असर

SEMANTIC REALITY 2026 · SHAREHOLDERS 06

जब सवाल घर तक पहुँचते हैं

लेखक: Ferdinando Frega

आर्थिक पूँजी का स्वाभाविक विरोध उस कमज़ोरी और उस भ्रम को उजागर करता है कि ब्रांड का नाम और उसका इस्तेमाल ही इतिहास है, जैसा कंपनी का खज़ाना सँभालने वाले हमेशा मानते आए हैं। लेकिन हक़ीक़त हर भविष्यवाणी से बहुत आगे निकल चुकी है, क्योंकि कथा ही सब कुछ थामे रखती है।

संदर्भ के लिए कोई असली मिसाल नहीं है। इसलिए इसके असर न पूरी तरह ज्ञात हैं न अनुमान लगाने लायक, और जो भी विकास आगे होगा, वह एक ऐसी घटना रहेगा जो समय से और इस बात से बँधी है कि औरतें क्या करेंगी।

और यहाँ बहुत-से लोग पूछ सकते हैं कि औरतों का सिमेंटिक पूँजी से क्या लेना-देना।

उनका इससे पूरा लेना-देना है, क्योंकि सिमेंटिक पूँजी बैलेंस शीटों में नहीं रहती। वह फ़ैसलों में रहती है।

वह बोर्डरूम के भीतर नहीं, बातचीत में जन्म लेती है।

वह तिमाही रिपोर्टों में नहीं, घरों में मज़बूत होती है।

और अगर कोई इंसानी श्रेणी है जो पहले से अनुमति माँगे बिना फ़ैसला सुनाती है, तो वह औरतें हैं।

औरतें, आप सोच सकते हैं? तो क्या यह लेखक विपरीत लिंग में अदृश्य शक्तियाँ मानता है?

बस उस जादू के बारे में सोचिए जो सिर्फ़ औरतें मर्दों पर करना जानती हैं: वे आपके अंडकोषों को छुए बिना ही उन्हें तोड़ सकती हैं, और फिर भी वे भूत नहीं हैं। वे बस हमारी औरतें हैं।

शेयरधारक, बोर्डों से सवाल करने और उन्हें चुनौती देने से पहले, खुद अपनी जिंदगी की सबसे अनपेक्षित जगहों पर तलब किए जाते हैं और अपनी पत्नियों के सवालों का सामना करते हैं, जो हर परिवार की दौलत की असली संरक्षक हैं, और जो अक्सर सबसे पहले जानती हैं कि क्या हो रहा है, क्योंकि वे हमेशा पढ़ती हैं।

और जब उन्हें एहसास होता है कि शेयरधारक ने वेब पर चल रही चर्चाओं पर कम ध्यान दिया है, तो वे सोचने लगती हैं कि क्या सार्वजनिक घटनाएँ उन मर्दों के समझौतों से जुड़ी हैं जो अपनी ज़िम्मेदारियों का, और अपने फ़ैसलों से प्रभावित दूसरों की मौजूदगी का, पूरा हिसाब नहीं रखते।

हासिल किए गए वित्तीय संसाधनों को बर्बाद किए बिना और ख़राब ख़रीद के फ़ैसले लिए बिना उनका सबसे अच्छा इस्तेमाल करना ही वह अकेली सच्ची ताक़त है जो किसी संपत्ति की रक्षा कर सकती है, और दौलत हमेशा सबसे पहले आती है।

इसलिए हर शेयरधारक के पीछे एक पत्नी खड़ी होती है जो हमेशा तीन चीज़ें चाहती है। मेरे दादा यह हर वक़्त कहते थे:

लंड, पैसा, और सही साबित होना।

भद्दा?

शायद।

ग़लत?

अक्सर नहीं।

और अगर जवाब संतोषजनक न हों, तो सब कुछ नरक बन जाता है।

मर्दों के गुप्त समझौते बेकार हो जाते हैं।

भाईचारे की संधियाँ बेमोल हो जाती हैं।

औरत तर्कसंगत और तार्किक प्रोटोकॉल का पालन उस तरह नहीं करती जिस तरह मर्द सोचते हैं कि उसे करना चाहिए। वह सहज बोध, अंतर्ज्ञान, अनुभूति और विवेक का पालन करती है।

और हम में से हर कोई उसी से आया है।

आखिर में, जो मर्द किसी औरत से हारना स्वीकार नहीं कर पाते, वे दूसरी औरतों का शिकार बन जाते हैं, जिन्हें वे अपनी नाखुशी की क़ीमत चुकाएँगे।

और उम्र, यक़ीन मानिए, बहुत कम मायने रखती है।

क्योंकि जब कोई औरत आपके विचारों, आपके शब्दों और आपकी मौजूदगी में सच्ची दिलचस्पी दिखाती है, तो बाक़ी सब अचानक अपना मूल्य खो देता है।

एक मैनेजर को भी अंडरवियर की जोड़ी की तरह बदला जा सकता है।

फ़ौरन।

यह ज़्यादाती लग सकती है, लेकिन बाज़ार, कंपनियाँ, करियर और प्रतिष्ठाएँ अक्सर इसलिए ढहे हैं क्योंकि मर्दों ने उन ताक़तों को कम आँका जिन्हें वे न नाप सकते थे न क़ाबू कर सकते थे।

ठीक वहीं सिमेंटिक पूँजी काम करती है।

लेखा प्रणालियों में नहीं।

वित्तीय मॉडलों में नहीं।

क्रानूनी विभागों में नहीं।

बल्कि उस मौन इलाक़े में जहाँ अनुभूतियाँ बातचीत बनती हैं, बातचीत फ़ैसले बनती है, फ़ैसले निर्णय बनते हैं, और निर्णय आखिरकार आर्थिक परिणाम बन जाते हैं।

किसी बैलेंस शीट के नुक़सान दर्ज करने से बहुत पहले।

Ferdinando